ncrtc
A JV of Government of India and participating State Governments

Publication	Hindustan
Edition	Meerut, Meerut Janpad
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	20th June 2019

हिन्दुस्तान
तरक्की को वाहिद नया नजरिया

मलबे के इस्तेमाल को 150 टीपीडी क्षमता वाला प्लांट लगाएगी एनसीआरटीसी, प्लांट के लिए जारी किए टेंडर

रैपिड रेल प्रोजेक्ट : मलबा भी काम में आएगा

मेरठ/नई दिल्ली | हिटी

दिल्ली-मेरठ के बीच रैपिड रेल प्रोजेक्ट में निर्माण कार्य में निकलने वाले मलबे का इस्तेमाल इसी प्रोजेक्ट में किया जाएगा। एनसीआरटीसी (नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन) 82 किलोमीटर लंबे ट्रैक निर्माण के दौरान निकलने वाले मलबे के इस्तेमाल के लिए 150 टीपीडी (टन प्रति दिन) क्षमता वाला प्लांट लगाएगी। एनसीआरटीसी ने प्लांट के लिए टेंडर जारी कर दिया है।

सराय काले खां से मेरठ के बीच रैपिड रेल कॉरिडोर बन रहा है। इसका निर्माण कार्य गाजियाबाद के गुलधर में शुरू हो गया है। पूरे निर्माण को पर्यावरण के अनूकुल बनाने को 150 टीपीडी वाला प्लांट लगाने का टेंडर जारी किया गया है। प्लांट में पूरे प्रोजेक्ट के दौरान निकलने वाले मलबे को लाया जाएगा। एनसीआरटीसी का दावा है निर्माण के दौरान सड़क पर मलबा नहीं दिखाई देगा। प्लांट में इसे रिसाइकिल किया जाएगा। इससे टाइल्स, कर्व स्टोन और फुटपाथ बनाया जाएगा।

50 हजार क्यूबिक मीटर मलबे का अनुमान

एनसीआरटीसी का अनुमान है कि प्रोजेक्ट में 50 हजार क्यूबिक मीटर मलबा निकल सकता है। दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर का निर्माण साल 2024 तक चलेगा। 2025 में यह ऑपरेशनल हो जाएगा। 82 किलोमीटर लंबे ट्रैक में ट्रैक बिछाने के साथ स्टेशन निर्माण में भी मलबा निकलेगा। दिल्ली में सराय काले खां और आनंद विहार स्टेशन को बनाने में भी मलबा निकलेगा। सराय काले खां पर बस अड्डा शिफ्ट होगा तो आनंद विहार पर बस अड्डा, रेलवे स्टेशन और कौशांबी बस अड्डे को जोड़ा जाएगा। इसके लिए प्रतिदिन 150 टन मलबे को रिसाइकिल करने वाले प्लांट को बनाने का फैसला लिया गया है। उधर, एनसीआरटीसी के अधिकारियों के अनुसार दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल का सफर भी प्रदूषणरहित होगा। रैपिड रेल से शून्य प्रदूषण रहेगा। इसके लिए सारी तैयारी की जा रही है। रैपिड के स्टेशन, डिपो को भी प्रदूषणरहित बनाने पर काम हो रहा है।

यह भी जानें

- 150 टन मलबे का प्रतिदिन होगा निस्तारण
- 50 हजार क्यूबिक मीटर मलबा निकलने का अनुमान
- 82 किलोमीटर लंबा ट्रैक है प्रस्तावित
- 18 किलोमीटर ट्रैक पर चल रहा है निर्माण कार्य

“ पूरे प्रोजेक्ट को पर्यावरण के अनुकूल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। हमने मलबे को निपटाने वाले प्लांट का टेंडर जारी कर दिया है। इसे दिल्ली-मेरठ के बीच लगाया जाएगा। जल्द ही यह प्लांट काम करना शुरू कर देगा। यहीं पूरे मलबे का निस्तारण होगा-**सुधीर शर्मा, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (एनसीआरटीसी)**

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण फिर रोका

दौराला | हमारे संवाददाता

मुआवजा संबंधी मांगों के समर्थन में कमिश्नर से मुलाकात नहीं होने पर सुरानी, बफावत, मछरी, दौराला के किसानों ने करीब 20 दिन बाद डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण कार्य फिर रोक दिया है।

करीब बीस दिन पूर्व भाकियू के युवा जिलाध्यक्ष नवाबसिंह अहलावत के नेतृत्व में किसानों ने मांगों को लेकर बफावत गांव में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का कार्य बंद कर क्षेत्रीय कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए धरना शुरू कर दिया था। किसानों के प्रदर्शन की सूचना पर डीएफसी के डिप्टी जीएम जेपी गोयल, एलएनटी से रमन चौधरी किसानों के बीच पहुंचे थे और एडीएम ई से फोन पर वार्ता कराई थी। वार्ता में एडीएमई ने किसानों को एक सप्ताह के अंदर मंडलायुक्त से मुलाकात कराकर समाधान कराने का वादा किया था, लेकिन कुछ नहीं हुआ। इस मौके पर राकेश, सतपाल सिंह, अशोक प्रधान, ओमवीर सिंह, ओमपाल सिंह, विकास, सुल्लड़, मिंटू, संदीप, अंकुर, टीकम सिंह, मनोज आदि मौजूद रहे।